पाठ ३९

1. मोसाके बदलमे इस्रेलीसबके अगुवाइ करेलाके परमेश्वर बिनेवाला नयां नेता कउन रहे ?
    - यहोशु ।
2. का परमेश्वर अब्राहामके संगे करेवाला प्रतिज्ञा कायम रखलक आ इस्रेलीसबके कनानमे लेगेल ?
    - हां ।
3. यहोशू मरेलाके बाद इस्रेलीसब कथी कइलक ?
    - यहोसुके मरणके बाद इस्रेलीसब परमेश्वरके इन्कार कइल आ बहुत अधर्मी भेल ।
    - यहोसूके मरणके बाद इस्रेलीसब मूर्ति बनाइल आ ऊ मृर्तिके पूजा कइल ।
4. इस्रेलीसबके छल करेवाला कउन रहे ?
    - शैतान ।
    - शैतान छलक कैलक आ ओकुनीसबके लगाल कि ओकुनीसब परमेश्वरके ही पूजा करतरनी ।
5. अगर हमनी परमेश्वरसे अउरो चिजके पूजा करतरनी त हमनी कउनोके पूजा करतरनी ?
    - शैतानके ।

6. शैतान काहे आदमीसबके मूर्तिसब पूजेलाके अगुवाइ करतरनी ?
    - काहेकि शैतान परमेश्वरके घृणा करेला आ परमेश्वरके कउनो पूजेके देखन ना चाहनी ।
    - काहेकि शैतान सब आदमीसबके घृणा करेला आ कउनो आदमी भी परमेश्वरसे बचावेलाके देखत ना चाहनी ।
7. मूर्तिसबके पूजा करेलाके सजाय परमेश्वर कइसन देलक ?
    - परमेश्वर इस्रेलीसबके शुत्रुके बोलाइलक आ ओकुनीसबके बालिनाली सखाप पारदेल ।
    - परमेश्वर इस्रेलीसबके शुत्रुसके बोलाइल आ ओकुनीसबके सब जनावरसब चोरके अनुमति देलक ।
    - परमेश्वर इस्रलीसबके सत्रुके बोलाइल आ ओकुनीसबके दास बनावेके देलक ।
8. जब इस्रेलीसब ओकुनीसबके पाप स्वीकार कइलक आ परमेश्वरके ओकुनीसबके बचाइल कहके बिन्नी कइलक ओकराके बाद परमेश्वर कथी कइलक ?

- जब इस्रेलीसब ओकुनीसबके पाप स्वीकार कइलक त परमेश्वर ओकुनीसबके बचावेला कहके बिन्ती कइलक आ परमेश्वर इस्रेलीसबके नेता बिनलक ।

9. परमेश्वर इस्रेलीसबके ओकुनीसबके शत्रुसे बचावेलाके निमित्त बिनेवाला आदमी आ जनानीके नाम कथी रहे ?
    - न्यायकर्ता ।
10. परमेश्वर अभिन काहे इस्रेलीसबके प्रेम कइलक आ ओकुनीसबके रक्षा कइलक ?
    - काहेकि परमेश्वर अब्राहामके इसहाक आ याकुसंगे ओकुनीसबके सन्तान बहुत होवेला आ ओकुनीसब महान् आदमी होवेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
11. इस्रेलीसबके अन्तिम न्यायकर्ता कउन रहे ?
    - शमुएल ।
12. शमुएल मरेलाके पहिल इस्रेलीसब शमुएलके कथी करेके आग्रह कइलक ?
    - इस्रेलीसब शमुएलके ओकुनीसबके अगुवाइ करेलाके एकेगो राजा चुनल कहके कहलक ।
13. यी बात समुएलके काहे दुखी बनाइल ?

- शमुएल दुखी बनलक काहेकि इस्रेलीसबके परमेश्वरके ओकुनीसबके राजाके रुपमे स्वीकार करेके इन्कार कइलक ।

- परमेश्वर शाउलके इस्रेलीसबके प्रथम राजा बनेके बिनलक ।

- काहेकि परमेश्वर साउलके बिनलक वइसने परमेश्वर साउलके वहांके आज्ञा मान कहके चाहतरनी लेकिन साउल परमेश्वरके आज्ञा उलंघन कइल ।

- वइसहे शमुएल साउलके परमेश्वरके इस्रेलीसबके राजा बनेके निमित्त दोसर आदमी बिनेला कहलक ।

आवलजावो १ समुएल १३:१३-१४ पद पढलजाइ ।

- समुएल कहलक अपने मूर्ख काम कइलक । अपने परमप्रभु अपनेके परमेश्वरके आदेश पालन ना कइलक । अगर अपने अइसन ना कइलक त परमेश्वर अपनेके परिवारके सदाके निमित्त इस्रेलके सासद दिहन । अब अपने शासन अउर आगे बढेवाला नइखे

। परमप्रभु अइसन आदमी खोजलक जउन वहांके आदेश पालन करलक । परमप्रभु वहां चाहे जइसन आदमी पाइलक आ परमप्रभु वही आदमीके अपन आदमीसबके प्रमुख बनावेला । अपने परमप्रभुके आदेश पालन ना कइलक वइससहे वहां दोसर राजा बिनेलक ।

1. जब साउल परमेश्वरके आज्ञा उलंघन कइलक ओकराके बाद परमेश्वर इस्रेलके दोसर राजा बनके कउन आदमीके बिनलक ?
   - दाउद ।
   - परमेश्वर दाउदके इस्रेलीसबके दोसर राजा बनेलाके बिनलक ।

आवलजावो १ शमुएल १६:१ आ १३ पद पढलजाइ

- परमप्रभु समुएलके कहलक केतना दिनतक शाउलके निमित्त दुखी भइलरहेला ? साउलके हमनी इस्रेलके राजापदसे हटादेलक त पर भि ओकराके दुख मनावेला । तोहरासंगे रहे सिंग तेलसे भरदेल आ बेतलेहम चलल । हम तोहराके बेतलेहमके यिशै नामके

आदमीकेहां भेजतरनी । यिशै बेतलेहममे रहेला । हमनी ओकराके एकेगो बेटाके नयां राजके रुपमे बिनलक ।

समुएल संगसे तेल निकालके यिशैके छोट्का बेटाके शिरमे ओकर भाइसबके आगे लगादेलक । परमप्रभुके आत्मा एकदम शक्तिके ऊ दिनसे उत्रल । ओकराके बाद समुएल रामामे घरओरि फिरल ।

- साउल मरगेलाके बाद सब इस्रेलीसब ओकरके राजा बनावेला दाउदकेहां भेला भइल ।

आवलजावो १ समुएल ५:१-४ पद पढलजाइ ।

पलिस्तीसब परमेश्वरके पवित्र सन्दुकके एबेनएजेरसे अस्दोद पहुचाइल । पलिस्तीसब परमेश्वरके पवित्र सन्दुकके दागोनके मन्दिरमे लेजाके दागोनके मूर्तिके समिपमे रखलक । दोसरदिन भोर अश्दोदबासीसब दागोनके मूर्ति घोपटपरेके परमेश्वरके पवित्र सन्दुकके आगे भूमिमे लडलरहे देखलक ।

अस्दोदके आदमीसब फेनु ऊ मूर्ति ओकर जगामे उभ्याइल । अस्दोदबासीसब दागोनके मूर्तिके फेनु उही

जगाम रखलक । लेकिन दोसर दिन फेनु अस्दोदबाट्ठीसब दागोनके मूर्ति वइसने परमेश्वरके पवित्र सन्दुकके आगेओरि घोफटपरलरहे भेटल । दागोनके शिर आ हातसब भाचंके केवाडीके आगे पडलरहे आ जिउ सिर्फ वहां लडलरहे ।

2. साउल आ दाउद कइसन फरक रहे ?
   - साउल ओकुनी परमेश्वरसे अलग भइलके पापमे जनमरहे कहके विश्वास ना कइलक ।
   - लेकिन दाउदके ओकुनी परमेश्वरसे अलग भइलके पापमे जनमलरहे कहके विश्वास कइलक ।
   - साउल परमेश्वर सब पापके मृत्युके दण्ड दिहन कहके थाहा रहे ।
   - लेकिन दाउदके सब पापके दण्ड मृत्युह ह कहके थाहा रहे ।
   - साउलके परमेश्वरके सिर्फ ओकुनी बचाउन सकिहन कहके विश्वास ना कइलक ।
   - लेकिन दाउद केवल परमेशवर सिर्फ ओकुनी बचावेला कहके थाहा रहे ।

- साउल उद्धारकर्ता भेजेला कहके परमेश्वर करेला प्रतिज्ञामे विश्वास ना कइलक ।
- लेकिन दाउदके परमेश्वर ओकुनीके शैतान आ मृत्युसे बचावेलाके उद्धार्कता भेजिहन कहके थाहा रहे ।
- काहेकि दाउदके परमेश्वरमे विश्वास कइलक ओइसहे ओकुनी परमेश्वरके आराधनामे बहुत भजनसब लिखलक ।
- दाउद परमेश्वरके आराधनामे बहुत भजनसब लिखलक जउन भजनसब अभिन परमेश्वरके पुस्तक बाइबलमे रखेला ।
- काहेकि दाउद इस्रेलीसबके राजा रहे त ओकुनीसंगे बहुता पैसा रहे ।
- काहेकि दाउद इस्रेलीसबके राजा रहे त ऊ काठ पथल सुनचांदीसे बनेला बड्काबड्का दरबार बनाइलक ।
- एगो दिन ऊ अपन दरबार आ परमेश्वरके पालके बारेमे सोचलक ।

आवलजावो २ समुएल ७:१-३ पद पढलजाइ ।

राजा दउद अपन नयां महलमे सरेलाके बाद परमप्रभु ओकर इस्रेलके एनेउने रहे सब देशके सत्रुसे शान्ति

देलक । राजा दाउद नातान अगमवक्ताके कहलक देखो हम देवदारके काठसे बनेवाला सुन्दर घरमे रहेम लेकिन परमेशवरके पवित्र सन्दुक चाहिं पालमे रहेला । हमनी पवित्र सन्दुकके निमित्त सुन्दर भवन बनाएके परी ।

नातान राजा दाउदसे कहलक अपनेके जउन अच्छा लागल वही करलजाइ । परमप्रभु हि अपनेसंगे रहे ।

3. जब दाउद दरबार बनावेलाके सकेला ओकराके बाद ऊ कथी करेके चाहलक ?
   - दाउद परमेश्वरके मन्दिर बनावेके चाहलक ।

4. का परमेश्वरके रहेके निमित्त कउनो घरके जरुरत परैला ?
   - ना ।
   - एकेगो समयमे परमेश्वर एनेउने रहेला आ वहांके बसेके निमित्त घरके जरुरत नइखे ।
   - यद्यपि परमेश्वरके रहेके निमित्त घरके जरुरत नइखे लेकिन परमेश्वरके दाउदके मनमे आएवाला विचारसे निमन बनाइलक ।

5. ओकराके बाद परमेश्वर दाउदके कथी कहलक ?

आवलजावो २ समुएल ७:१२-१३ क पद पढलजाइ ।
जब तोहर जीवन समाप्त होवेला तु मरेला आ तोहराके तोहर पितापुर्खाकेसाथमे गाडेला त हम तोहर बेटाके तोहराके उत्तराधिकाररी बनावेला । तोहर उत्तराधिकारी हमनीके मन्दिर बनावेला ।

- यद्यपि परमेश्वरके दाउदके विचार निमन तुल्याइलक लेकिन परमेश्वर परमेश्वरके भवन बनावे वाला दाउद ना होवेला कहलक ।

6. परमेश्वरके मन्दिर बनावे वाला कउन रहेला ?
   - दाउदके बेटा सलमान ।
   - काहेकि दाउद परमेश्वरमे विश्वास कइलक वइसहे परमेश्वर दाउदसंग प्रतिज्ञा कइलक ।
   - यिहां परमेश्वर दाउदसंगे करेवाला बातसब लिखेला ।

आवलजावो २ समुएल ७:१६ पद पढलजाइ ।

तोहर वंश राजकीय वंश होवेला । तु उसमे भर परेके सकेला । वहां तोहर राज्य तोहर निमित्त सदासदाके निमित्त रहेला ।

7. परमेश्वर दाउदसंगे करेवाला प्रतिज्ञा कथी रहे ?
   - दाउदके वंशसे उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
   - परमेश्वर दाउदसंगे करेवाला प्रतिज्ञा वहां अब्राहाम इसहाक आ याकुबसंगे करेवाला प्रतिज्ञा जइसन रहे ।
   - परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेवाला रहे जउन जहियोजहियो राजा बनेवाला रहे ।

8. का परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेला कहके करेवाला प्रतिज्ञा भुलगेला ?
   - ना ।
   - परमेश्वर हमननीके पाप मृत्यु आ शैतानसे बचावेके उद्धारकर्ता भेजेला कहके करेवाला प्रतिज्ञा जहियो याद करेला ।
   - दाउद मरेके पहिल ओकर परमेश्वरके भवन बनावेलाके बहुत तैयारीसब कइलक ।

- ओकराके बाद दाउद मन्दिर बनावेलाके जिम्मा अपन बेटा सुलेमानके देलक ।

आवलजावो १ इतिहास २२:५-६ पद पढलजाइ । दाउद कहलक हमर परमप्रभुके निमित्त हमनी बहुत विशाल मन्दिर बनाएके परी । लेकिन हमर बेटा सुलेमान छोट्का रहे वइसहे यी बातसब ना सिकेला जउन ऊ जानेके परी । परमप्रभुके मन्दिर बहुत विशाल रहेके परी । यी यसके विशाल आ सुन्दरताके निमित्त सब देश सबमे प्रसिद्ध आ उज्वल होवेके परी । वइसहे हम परमप्रभुके मन्दिर निर्माण करेके निमित्त योजनासब बनावेला । वइसहे ओकर मरणके पहिल दाउद मन्दिर बनावेलाके निमित्त बहुत योजनासब बनाइलक आ सामग्री तैयार करलक । ओकराके बाद दाउद अपन बेटा सुलेमानके बुलाइलके ओकरके इस्रेलीके परमप्रभु परमेश्वरके मन्दिर बनावेके कहेला ।

- दाउदके मरेलाके पहिले ऊ अपन बेटा सुलेमानके परमेश्वरके भवन बनावेलाके कहलक ।

- ओकरबाद दाउद मरलक आ हुनकर बेटा सुलेमान इस्रेलीसबके राजा बनगेल ।

  आवलजावो १ इतिहास २९:२६-२८ पद पढलजाइ । वइसहे दाउद सब इस्रेलके उपर चालीस साल तक राज बनगेला । दाउद हेब्रोन शहरमे सात वरष राज्य करलक । तब ऊ यरुशलेम शहरमे तेत्तीस सालतक राज्य करलक ।

-

9. सुलेमान इस्रेलीसबके राजा बनेलाके बाद ऊ कथी करलक ?

   आवलजावो २ इतिहास २:१ क पद पढलजाइ । सुलेमान परमप्रभुके नामके सम्मानमे एगो मन्दिर बनावेलाके योजना बनाइलक ।

- अपन बापु राजा दाउद कहलेजइसने ही सुलेमान परमेश्वरके निमित्त भनव बनाइलक ।

- सुलेमान परमेश्वरके निमित्त बनावेला भवनके नाम मन्दिर रहे ।
- सुलेमान परमेश्वरके मन्दिर जेरुसलेम शहरमे बनाइलक ।
- जरुसलेम शहर कनानके बड्का शहर रहे ।
- पथलके उचा पर्खाल जरुसलेम शहरके घिरेला ।
- सुलेमान परमेश्वरके निमित्त बनावेला मन्दिर इस्रेलीसब मरुभूमिमे वहांके निमित्त बनवेला पाल जइसन रहे ।

10. सुलेमान परमेश्वरके निमित्त बनावेला मन्दिर इस्रेलीसब मरुभूमिमे वहांके निमित्त बनावेला पालजइसन कइसन रहे ?
    - पालके पहिल खण्ड पवित्र स्थान कहेला ।
    - मन्दिरमे भि पहिल कमरा रहे आ ऊ जगाके नाम पवित्रस्थान रहे ।
    - पालके दोसर खण्डमे महापवित्रस्थान कहेला ।
    - मन्दिरमे भि दोसर कमरा रहे आ ऊ जगाके नाम महापवित्र स्थान रहे ।
    - परमेश्वरके पालमे यी दु कमराके अलग करेलाके पर्दा रखेला ।

- मन्दिरमे भी यी दु कमराके अलग करेलाके पर्दा बनवेला ।

11. काहेकि परमेश्वर पवित्र बारन आ सब पापके घृणा करेला प्रधान पुजारि महापवित्र स्थानमे जा के कथी रकेला ?
    - करारके सन्दुकमे ऊ जनावरके खुन छिड्केला ।
12. करारके सन्दुकमे पुजारी खुन छिड्केलाके बाद परमेश्वर कथी करेला ?
    - परमेश्वर पापके निमित्त उत्तम मोल तइयार ना होवेला तक वहां दिएवाला दण्ड रोकके रखेला कहलक ।
13. का जनावरके खुन आदमीसबके पापके मोल तिरके सक्षम रहे ?
    - ना ।
14. काहे जनावरके खुन आदमीसबके पापके मोल तिरेके सक्षम नइखे ?
    - काहेकि पापीके पाके मोल ऊ मरेलाके बाद सिर्फ पूरा होवेला ।

15. सुलेमान राजा मरगेलाके बाद इस्रेलीसबके कथी भेल ?

- इस्रेलीसब ओकुनीसबके अभिनके राजा कउन बनेला कहके बिनेके असमर्थ भेल ।
- उत्तरके दश कुल आ दक्षिणके दु कुल अलग अलग भेल ।

16. उत्तरके दश कुल कथी कहलाइल ?
    - इज्रेल ।
17. दक्षिणके दु कुल कथी कहलाइल ?
    - यहूदा ।
    - बहुत राजासब इस्रेलमे शासन कइलक आ यहूदामे बहुत राजासब शासन कइलक ।
    - ऊनमे से बहुत राजासब परमेश्वरमे विश्वास ना कइलक ।
    - केवल कम राजा सिर्फ परमेश्वरमे विश्वास कइलक ।